प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के नए डीपीआर तैयार कराएं: आयुक्त

शहडोल। आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने नगरीय क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे आवासों के प्रगति की समीक्षा की। उन्होने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास के जो निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं, की गहन मानीटरिंग कराकर शीघ्रता के साथ पूरा कराएं तथा आवासों का सत्यापन कराएं। उन्होने कहा कि जिन हितग्राहियों द्वारा आवास नहीं बनाए जा रहे हैं। उनके आरआरसी जारी कर शासन द्वारा जारी किस्तों की वसूली की जाए। आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र पाए गए हितग्राहियों के डीपीआर तैयार कर शीघ्रता के साथ अपलोड कराए जाएं। बैठक में कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली तथा कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र जैन द्वारा प्रगति से अवगत कराया गया।

शहडोल में सूखा-गीला कचरा निपटान पर जोर, जनता को जागरूक किया

शहडोल। जिले में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत बिजहा, पथरवाह और भटिगंवा में मैदानी कर्मचारियों ने आमजन को सूखा और गीला कचरा के सही निपटान के बारे में जानकारी दी। कर्मचारियों ने बताया कि रसोई और बागवानी से निकलने वाला जैविक कचरा जैसे सब्जियों के छिलके, बचे हुए खाने के टुकड़े, चाय की पत्ती, फल के छिलके व फूल आदि गीला कचरा कहलाता है। इसे अलग हरे रंग के डस्टबिन में डालकर कम्पोस्ट खाद बनाया जा सकता है, जो खेती और बागवानी में उपयोगी है। वहीं, प्लास्टिक की बोतलें, कागज, गत्ते, टिन, कांच, कपड़े जैसे कचरे को सूखा कचरा कहा जाता है और इसे अलग नीले रंग के डस्टबिन में डालना चाहिए। मैदानी कर्मचारियों ने साफ किया कि कचरा खुले में फेंकना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इससे अनेक बीमारियां फैल सकती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर घर और पंचायत में कचरा सही ढंग से निपटाए जाए, जिससे गांव, नगर और जिला स्वच्छ एवं सुंदर बने। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास का विषय है। सभी नागरिकों को अपने घर, मोहल्ला और ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी और दूसरों को भी प्रेरित करना होगा। उनका मानना है कि हमारी ग्राम पंचायत स्वच्छ होगी तो हमारा जिला स्वच्छ होगा। इस अभियान से न केवल जनता को जागरूक किया जा रहा है, बल्कि स्वच्छता की दिशा में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

पोषण माह अंतर्गत आयोजित किये जा रहे विविध कार्यक्रम

शहडोल। मिशन पोषण 2.0 के तहत जिले में 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक आंठवां राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। जिसमें जिला स्तर से लेकर परियोजना और आंगनबाड़ी स्तर तक सामुदायिक सहभागिता थीम पर आधारित गतिविधियाँ संचालित की जा रही है। पोषण माह का उदेश्य मोटापा नियंत्रण (कम नमक, कम चीनी, कम तेल), प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी), शिशु एवं बाल आहार प्रथाएँ, पुरुष सहभागिता और एक पेड़ माँ के नाम एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच मनोज

जानलेवा हमले के बाद भी आरोपी पर पुलिस की मेहरबानी

ग्राम पंचायत कतिरा में हुए जानलेवा हमला ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही उजागर कर दी है। मनोज कुमार कोल पर उसके ही भाई ने टांगी से हमला किया, पांच दिन से जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं, बावजूद आरोपी इंद्र कुमार कोल अभी तक गिरफ्तार नहीं। पुलिस की 'साधारण चोट' की तर्कसंगत व्याख्या और स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत ने न्याय और कानून पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कतिरा के कुदरा टोला में हुए एक जानलेवा हमले ने न सिर्फ पुलिस की लापरवाही को उजागर किया है, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला इतना संगीन है कि पीड़ित मनोज कुमार कोल पिछले पांच दिनों से जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है, मगर पुलिस ने अब तक आरोपी इंद्र कुमार कोल को गिरफ्तार करना तक जरूरी नहीं समझा।

पुलिस की नजर में 'साधारण चोट'

जानकारी के अनुसार, ग्राम कतिरा निवासी बाबू कोल का बेटा मनोज कुमार पर उसके ही भाई इंद्र कुमार कोल ने धारदार हथियार (टांगी) से जानलेवा हमला किया। वारदात में मनोज कुमार के सिर, चेहरे और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। हालत बिगडऩे पर पहले उसे जयसिंहनगर से शहडोल और फिर शहडोल से जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पांच दिनों से पीड़ित बेहोश है और डॉक्टरों के अनुसार उसकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। अब सवाल यह है कि जिस मरीज को लगातार रेफर किया गया और जिसकी जान सांसों पर टिकी है, उसकी चोटों को पुलिस 'साधारण' कैसे मान सकती है? थाना प्रभारी का बयान हैरान करने वाला है कि डॉक्टर ने एमएलसी में 'नॉर्मल इंजरी' लिखी है, इसलिए गंभीर अपराध दर्ज नहीं किया गया। अगर चोट वाकई 'साधारण' थी तो मनोज को क्यों शहडोल से जबलपुर मेडिकल कॉलेज तक रेफर करना पड़ा?

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग पर बड़ा सवाल

यह घटना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग दोनों की कार्यशैली पर गहरा धब्बा है। एक तरफ अस्पताल के डॉक्टर एमएलसी में चोटों को साधारण लिखते हैं, दूसरी ओर वही मरीज लगातार पांच दिनों से मेडिकल कॉलेज में भर्ती है और होश में तक नहीं आया है। क्या यह स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत नहीं है? वहीं दूसरी तरफ थाना प्रभारी का तर्क कि साधारण चोट होने से अपराध नहीं बनता इस बात का प्रमाण है कि पुलिस जानबूझकर आरोपी को बचा रही है।

न्याय की मांग

ग्रामवासियों और पीड़ित परिवार का कहना है कि अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो गांव में आक्रोश भडक़ सकता है। पीड़ित की हालत गंभीर है और किसी भी वक्त मौत हो सकती है। ऐसे में अगर आरोपी खुलेआम घूमता रहा तो यह संदेश जाएगा कि जिले में कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि रसूख और पैसे का दबदबा चलता है। मनोज कुमार कोल का मामला सिर्फ एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम का आईना है जहां पुलिस और स्वास्थ्य विभाग जैसे संवेदनशील संस्थान भी सत्ता और पैसे के दबाव में झुक जाते हैं।

प्रशिक्षु आरक्षक ने गार्ड ड्यूटी विवाद में गोली चलाई

उमरिया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस) में गुरुवार रात 9:20 बजे हुई खौफनाक फायरिंग ने पुलिस महकमे को हिला दिया। प्रशिक्षु आरक्षक कमल सिंह मरावी ने गार्ड ड्यूटी को लेकर प्रधान आरक्षक छोटेलाल कोल से हुए विवाद के दौरान राइफल से गोली चला दी, जो किस्मत से बच गई। घटना में छोटेलाल ने साहस दिखाते हुए आरोपी से राइफल छीन ली, वरना यह संस्थान में बड़ा हादसा बन सकता था।

सूत्रों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ा कि कमल सिंह ने गाली-गलौज करते हुए आतंक फैलाया। घटना के तुरंत बाद थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 431/25 धारा 109(1), 296 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया और आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि भी की गई।

पुलिस ने पूरे मामले को संवेदनशील मामला मानते हुए गहन जांच शुरू कर दी है। पीटीएस में तैनात कर्मियों से पूछताछ की जा रही है और घटना का पूरा सच जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशिक्षण शाला में सुरक्षा मानकों की समीक्षा शुरू कर दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल पुलिस संस्थानों की छवि को धूमिल करती हैं,

बल्कि सुरक्षा और अनुशासन पर भी सवाल खड़े करती हैं। घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ड्यूटी पर तैनात प्रशिक्षुओं के व्यवहार और सैन्य अनुशासन की कमी कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद पुलिस महकमे में हडक़ंप मच गया और उच्च अधिकारियों ने तुरंत नियंत्रण के आदेश जारी किए। अब यह मामला कड़ाई से जांच के लिए उच्च स्तर पर भेजा गया है।

पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि फिलहाल मामले में अफवाहों पर ध्यान न दें और जांच पूरी होने तक शांति बनाए रखें। वहीं, प्रशिक्षु आरक्षक की मानसिक स्थिति और प्रशिक्षु सुरक्षा पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है। उमरिया पुलिस प्रशिक्षण शाला की इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा और अनुशासन में चूक किसी भी समय गंभीर हादसे का रूप ले सकती है और इसे हल्के में लेना महज जोखिम भरा होगा।

तालाब में मिला सचिव पुत्र का शव, अपहरण की गुत्थी डूबने पर आकर थमी

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के तेंदुआढ़ गांव में शुक्रवार रात सनसनी फैल गई, जब गांव के तालाब से सचिव पुत्र का शव बरामद हुआ। मृत किशोर गुरुवार सुबह अचानक लापता हो गया था। परेशान परिजनों ने पुलिस से शिकायत की, जिस पर अपहरण का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन 24 घंटे बाद घर के समीप स्थित तालाब में उसका शव उतराता मिला।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ईशू पटेल उम्र 16 वर्ष पिता रामकिशोर पटेल, निवासी तेंदुआढ़ के रूप में हुई है। पिता पंचायत सचिव हैं। गुरुवार को ईशू अचानक घर से निकल गया और लौटकर नहीं आया। परिवार ने उसे काफी खोजा लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। थक-हारकर परिजन पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग होने के कारण पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की।

इसी बीच शुक्रवार रात एक ग्रामीण शौच के लिए तालाब की ओर गया, जहां उसने पानी में उतराता शव देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पहचान कराई, जो लापता ईशू का ही निकला। परिजनों का कहना है कि किशोर की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी। गुरुवार को पिता उसे इलाज के लिए रीवा ले जाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही वह घर से लापता हो गया था। पुलिस का अनुमान है कि ईशू तालाब किनारे पहुंचा और पानी में डूब जाने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अंतिम निष्कर्ष पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

टेंडर घोटाले की आड़ में गाड़ियों का गोलमाल

इलेक्ट्रिक खराब तो लगा दी डीजल-नियमों की खुली धज्जियां

शहडोल। कोल इंडिया में टेंडर घोटाले की आड़ में पर्यावरण और नियमों की धज्जियां उड़ती रही हैं, जहां बैटरी चालित इलेक्ट्रिक गाडिय़ों की बजाय डीजल और पेट्रोल वाहन खुलेआम चलाए जा रहे हैं। शहडोल मुख्यालय में खराब इलेक्ट्रिक गाडिय़ों को मरम्मत के लिए खड़ा कर दिया गया है, लेकिन उनकी जगह पर अधिकारियों के निजी उपयोग तक के लिए डीजल वाहन दौड़ाए जा रहे हैं। यह स्पष्ट उल्लंघन है, क्योंकि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण और कोल इंडिया ने आदेश दिए थे कि इलेक्ट्रिक वाहन ही चलेंगे और खराब होने की स्थिति में भी केवल इलेक्ट्रिक वाहन की ही जगह ली जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, वाहन क्रमांक सीजी 10 बीएन 3988 जैसी गाडिय़ां मरम्मत के लिए खड़ी हैं, लेकिन उसकी जगह डीजल गाड़ी किसकी अनुमति से लगाई गई, यह अज्ञात है। वित्त और वाहन शाखा ने फास्ट चार्जिंग स्टेशन लगाने की जिम्मेदारी भी निभाई नहीं, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिकारियों के घर और कार्यालय में प्लग लगाकर चार्ज करना पड़ रहा है। इससे सरकारी बिजली का दुरुपयोग हो रहा है और उसका कोई शुल्क भी वसूला नहीं जा रहा। जानकारों का कहना है कि ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से इलेक्ट्रिक वाहनों की जगह डीजल गाडिय़ां निजी कामों, शराब पार्टी और पारिवारिक कार्यक्रमों में धड़ल्ले से इस्तेमाल की जा रही हैं। विभागीय अधिकारी इस पूरे घोटाले पर चुप्पी साधकर जनता और कर्मचारियों को गुमराह कर रहे हैं। स्थानीय जनता और कर्मचारियों में इस घोटाले को लेकर गुस्सा है। सवाल उठता है कि जब केंद्र और राज्य सरकार प्रदूषण मुक्त वाहनों के उपयोग पर जोर दे रहे हैं, तो फिर शहडोल मुख्यालय में नियमों की अनदेखी क्यों हो रही है? वित्त विभाग का एएफएम फाइलों को बिना भुगतान रोक देता है, लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन नहीं चलने और चार्जिंग स्टेशन न लगाने पर उसकी चुप्पी इस पूरे घोटाले पर बड़े सवाल खड़े करती है।यह मामला केवल पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना नहीं, बल्कि शहडोल मुख्यालय में चल रहे गोरखधंधे और मिलीभगत का खुला उदाहरण है, जो अधिकारियों की निष्ठा और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाता है। सरकारी आदेशों और पर्यावरण हितों की धज्जियां उड़ाने वाले इस खेल में कौन जिम्मेदार ठहराया जाएगा, यह अब देखना होगा।

तेज रफ्तार ने ली 20 वर्षीय युवक की जान

शहडोल। जिले के पपौंध थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात हुए सडक़ हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। अम्बेडकर तिराहे के पास बाइक भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हुए 20 वर्षीय युवक रंजीत बसोर पुत्र मुन्ना ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।
पुलिस के अनुसार रंजीत अपनी बाइक से घर जा रहा था, तभी पास में तेज रफ्तार से चल रही दूसरी मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रंजीत की बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। जोरदार टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। डायल-112 मौके पर पहुंची और रंजीत को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।
मृतक की पहचान होते ही पुलिस ने परिजनों को खबर दी। अस्पताल में परिजनों के साथ ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोनों बाइकें बराबरी से तेज रफ्तार में चल रही थीं। ऐसे में जरा सी चूक ने रंजीत की जिंदगी छीन ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इनका कहना है...

मामले पर मर्ग कायम किया गया है और शनिवार सुबह अस्पताल में पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई जा रही है। उसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है। बगल में चल रही बाइक जिसने ठोकर मारी है, उसका पता पुलिस लग रही है। मामले में अपराध दर्ज किया जाएगा।

बृजेंद्र मिश्रा
थाना प्रभारी, पपौंध

मेडिकल कॉलेज में दो इंटर्न निलंबित

लेबर रूम की मारपीट ने खोली मेडिकल कॉलेज की पोल

शहडोल। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार विवाद लेबर रूम में इंटर्न छात्रों के बीच हुई मारपीट और अनुशासनहीनता का है। 12 सितंबर को पहला वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें इंटर्न डॉक्टरों के बीच गंभीर झगड़ा दिखाई दिया। इसमें एक इंटर्न छात्रा पर अपने साथी छात्र को बाल पकडक़र गिराने और कपड़े फाडऩे का आरोप लगा। हालांकि मामला यहीं नहीं थमा। कुछ ही घंटों बाद दूसरा वीडियो वायरल हुआ, जिसने पूरे घटनाक्रम की पुष्टि कर दी। वीडियो सार्वजनिक होते ही मेडिकल कॉलेज की छवि धूमिल हुई और छात्रों के परिजनों में भारी नाराजगी फैल गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के दबाव में कॉलेज प्रबंधन को कार्यवाही करने पर मजबूर होना पड़ा।

इस गंभीर मामले के संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने 12 सितम्बर 2025 को जांच समिति गठित की। समिति ने 19 सितम्बर 2025 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कॉलेज काउंसिल ने 20 सितम्बर 2025 को रिपोर्ट के आधार पर और एन.एम.सी. के दिशा-निर्देशानुसार सर्वसम्मति से फैसला लिया।

आदेश के मुताबिक, इंटर्न छात्र शानू अग्रवाल और योगिता त्यागी (एम.बी.बी.एस. बैच 2020) को गंभीर अनुशासनहीनता के लिए दंडित किया गया। इनके लिए दो माह तक इंटर्नशिप से निलंबन, दो माह के लिए हॉस्टल से निष्कासन और प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये का अर्थदण्ड तय किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कार्रवाई महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल दो इंटर्न तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। मेडिकल कॉलेज में इस तरह की घटनाओं ने छात्रों और प्रशिक्षुओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामले की शुरुआत दबाने की कोशिश की गई थी, लेकिन सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद कॉलेज प्रबंधन पर दबाव बढ़ गया और अंततः प्रशासन सक्रिय हुआ। अब जबकि जांच समिति बैठ चुकी है और कॉलेज काउंसिल ने सख्त निर्णय लिया है, उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाएगी।

स्थानीय नागरिक और छात्र नेताओं का कहना है कि बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज जैसी प्रतिष्ठित संस्थान में यह स्थिति मूलभूत अनुशासनहीनता और प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाती है। इंटर्न डॉक्टरों के बीच हुई मारपीट न केवल छात्र जीवन पर असर डालती है, बल्कि संस्थान की सार्वजनिक छवि को भी बुरी तरह प्रभावित करती है।

आदेश और जांच रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अनुशासनहीनता और हिंसा के मामलों में अब कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि छात्रों की सुरक्षा और संस्थान की गरिमा दोनों की रक्षा हो। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में यह विवाद यह भी दिखाता है कि मूलभूत अनुशासन और प्रबंधन की गंभीरता पर भरोसा अब परीक्षा में है। अगर प्रशासन समय रहते ठोस कदम नहीं उठाता है, तो संस्थान की प्रतिष्ठा सिर्फ कागजों और करोड़ों रुपये की झांकी तक सीमित रह जाएगी।

करोड़ों की लागत से बना मॉडल स्कूल, शौचालय बने गंदगी का अड्डा

शिक्षा विभाग की लापरवाही ने उजागर की बदइंतजामी

शहडोल। प्रदेश सरकार लाख दावे करे कि सरकारी स्कूलों को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जयसिंहनगर जनपद शिक्षा केंद्र अंतर्गत ग्राम कौआसरई में करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित *शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (रमसा स्कूल) का हाल यह है कि यहां के शौचालय गंदगी और दुर्गंध से पटे पड़े हैं। यह हाल किसी जर्जर ग्रामीण स्कूल का नहीं बल्कि उस मॉडल विद्यालय का है, जिसके लिए शासन ने विशेष बजट आवंटित किया था। फाइल फोटो में साफ देखा जा सकता है कि शौचालय की स्थिति इतनी बदतर है कि वहां छात्रों का प्रवेश करना भी मुश्किल हो रहा है। कई छात्र खुले में शौच करने को मजबूर हो जाते हैं। यह न सिर्फ स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाता है बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डालता है।

जिम्मेदार अधिकारी मौन

सूत्र बताते हैं कि विद्यालय का डाइस कोड 23160500119 और संस्था कोड 331124 है। करोड़ों की लागत से इस भवन का निर्माण और व्यवस्थाएं की गई थीं, लेकिन विभागीय नियंत्रण का नामोनिशान नहीं है। विद्यालय में स्वच्छता की जिम्मेदारी जहां स्थानीय प्रबंधन पर है, वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारी भी समय-समय पर निरीक्षण करने के लिए बाध्य हैं। मगर तस्वीरें और जमीनी हालात यह साबित करते हैं कि अधिकारियों की निगाहें इस ओर कभी नहीं गईं।

बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

अपुष्ट सूत्रों के अनुसार इस विद्यालय सहित कई संस्थानों में शासन से आने वाले शैक्षणिक व रखरखाव फंड का ऊपर से नीचे तक बंटवारा होता है। जो रकम शौचालय, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर खर्च होनी चाहिए, वह जिम्मेदारों की जेबों में चली जाती है। यही कारण है कि करोड़ों खर्च होने के बावजूद बच्चों को गंदगी और बदहाल वातावरण में पढ़ाई करनी पड़ रही है।

बच्चों का भविष्य सवालों में

विद्यालयों का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ और सुरक्षित माहौल देना है। लेकिन जब शौचालय ही गंदगी और बीमारी के केंद्र बन जाएं तो बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य दोनों पर संकट मंडराता है। यहां की हालत देखकर साफ है कि स्वास्थ्य विभाग से लेकर शिक्षा विभाग तक सब आंखें मूंदे बैठे हैं। सवाल यह है कि क्या करोड़ों की लागत से बने इन भवनों का इस्तेमाल सिर्फ फाइलों और भ्रष्टाचार की कहानियों तक सीमित रह गया है?

कब जागेगा प्रशासन?

मॉडल स्कूल के शौचालय की यह तस्वीर कोई पहली बार सामने आई समस्या नहीं है। पहले भी कई बार सरकारी विद्यालयों में शौचालय व स्वच्छता की लापरवाही उजागर होती रही है। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी विभाग केवल जांच कराएंगे कहकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देता है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर शिक्षा विभाग ने अब भी सुधारात्मक कदम नहीं उठाए, तो यह मामला बड़ा आंदोलन का रूप ले सकता है।

सेवा पखवाड़ा: गिरवा में जागरूकता रैली, दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक से किया जागरूक

शहडोल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक प्रदेशभर में आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत बुढार की ग्राम पंचायत गिरवा में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर साप्ताहिक बाजार में स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की समझाइश दी और स्वच्छता संदेश का प्रचार किया। अभियान के तहत जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें ग्रामीण और दुकानदार सक्रिय रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित स्वच्छता समन्वयक सचिन श्रीवास्तव ने बाजार में दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें प्लास्टिक के पर्यावरणीय नुकसान से अवगत कराया और पुनः प्रयोग योग्य वस्तुओं के उपयोग की प्रेरणा दी। ग्रामीणों ने भी स्वच्छता शपथ ली और अपने घरों व मोहल्लों को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि सेवा पखवाड़ा केवल स्वच्छता ही नहीं, बल्कि समाज में जिम्मेदारी और जागरूकता फैलाने का अभियान है। इस मौके पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी दिवाकर सिंह बघेल और ग्रामवासियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम से स्पष्ट संदेश गया कि स्वच्छता में जनता की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

खबर संक्षेप

रैली के माध्यम से बताया गया स्वच्छता का महत्व

उमरिया। प्रदेश सरकार के आव्हान पर जिले में प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत विभिन्नि गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिला समन्वयक स्वच्छता ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों में गीले एवं सूखे कचरे को अलग अलग किए जाने के महत्व से अवगत कराने हेतु ग्राम पंचायत तुम्मीछोट एवं मुदरिया में रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्कूली बच्चे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण जन शामिल हुए। रैली के माध्यम से आम जनो को गीले एवं सूखे कचरे के बारे में विधि विधान से बताया गया।

चचाई थाने मे शांति समिति की बैठक संपन्न

चचाई। थाना चचाई पुलिस द्वारा 19.09.2025 को आगामी त्यौहार नवरात्रि विजयदशमी, गरबा कार्यक्रम, दुर्गा जी विसर्जन, जवारा विसर्जन, आदि को लेकर क्षेत्र में उक्त त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण रूप से मनाने के संबंध में थाना क्षेत्र के समस्त दुर्गा समिति, गरबा समिति जवारा समिति, डीजे वालों की एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में शांति समिति मीटिंग आयोजित की गई है। सभी को निर्देशित किया गया कि कोई भी कार्यक्रम किया जाता है तो उसकी विधिवत अनुमति लेकर पुलिस थाना में सूचना देकर कार्यक्रम किया जाए दुर्गा विसर्जन निर्धारित समय, निर्धारित स्थान पर करने की हिदायत दी गई।

जिले में कुल 201 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही.एस.चंदेल द्वारा बताया गया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसके तहत विभागीय अधिकारी, नगर वासियों ने एवं छात्रों ने बढ़ चढक़र हिस्सा लिया एवं 201 यूनिट ब्लड का संग्रहण किया गया प्रेरणा के स्रोत बने जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया के द्वारा भी रक्तदान किया गया उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश ने बनाया कीर्तिमान अभियान प्रथम दिवस में कुल जिले से 14573 यूनिट ब्लड कलेक्शन किया गया। डॉ मुकुल तिवारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा बताया गया कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में कुल 120 स्थान पर शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें जिला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर पदस्थ डॉक्टर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुपरवाइजर एवं एएनएम के माध्यम से शिविरों को संचालित किया गया जिसमें अनमोल पोर्टल के आधार पर दिनांक 17 एवं 18 सितंबर को कुल 1066 गर्भवती माताएं प्रसुताओ एवं किशोरियों की संख्या जिन्होंने पोषण एवं देखभाल पर परामर्श प्रदान किया गया वहीं 1328 किशोरियों को स्वच्छता माहवारी प्रबंधन एवं महावारी के दौरान उचित परामर्श एवं देखभाल पर चर्चा किया गया उन्होंने बताया कि मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड का वितरण कुल 197 गर्भवती माता को वितरण किया गया यू विन पोर्टल के आधार पर हीमोग्लोबिन के संबंध में बताया गया की कुल जिले में दो दिवस में 1583 गर्भवती माताएं एवं बच्चों की जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आम जान से अपील की गई की शिविर मैं माताएं बहने पहुंचकर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें एवं शिविर में आधार कार्ड अवश्य साथ में लेकर जाएं जिससे कि पोर्टल पर आपकी एंट्री किया जा सके शिविर के आयोजन के संबंध में ग्राम पर आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर सकते हैं।

उमरिया स्वास्थ्य विभाग बना घोटालों का अड्डा

लोकायुक्त जांच ठंडी, भ्रष्टाचार गर्म

परीक्षा में फेल होने के बावजूद कुर्सी पर काबिज विवादित लेखापाल रिटायरमेंट से पहले करोड़ों के खेल की आशंका, प्रशासन मौन

स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है और सीएमएचओ कार्यालय तो मानो 'घोटाला केन्द्र' का दर्जा पा चुका है। लोकायुक्त जांच के बावजूद विवादित लेखापाल संतोष शुक्ला विभागीय संरक्षण में वित्तीय कुर्सी पर काबिज हैं। 8 साल से लेखा परीक्षा में फेल रहने और गंभीर आरोपों के बावजूद उन्हें न हटाना सवालों के घेरे में है। अब रिटायरमेंट से महज़ तीन महीने पहले गड़बड़ी की आशंका और गहराती जा रही है।

उमरिया।

स्वास्थ्य विभाग लंबे समय से घोटालों और वित्तीय अनियमितताओं का गढ़ बना हुआ है। विभागीय संरक्षण और अफसरशाही की मौन सहमति ने इस भ्रष्टाचार को इतनी गहराई से जड़ें जमाने दी हैं कि अब यह खुलेआम और निर्भीकता से फल-फूल रहा है। सबसे ताज़ा और चौंकाने वाला उदाहरण है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लेखापाल संतोष कुमार शुक्ला का मामला। श्री शुक्ला पर लोकायुक्त में पहले से दो गंभीर प्रकरण (जांच क्रमांक 168/2018 और 327/2018) लंबित हैं। विभाग की नियम पुस्तिका साफ कहती है कि ऐसे अधिकारियों को न केवल महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से दूर रखा जाए, बल्कि जांच पूरी होने तक वित्तीय मामलों से संबंधित किसी भी पद पर तैनात न किया जाए। मगर हकीकत यह है कि नियम-कायदों की किताबें महज दिखावे की चीज रह गई हैं और भ्रष्टाचारियों के लिए सिर्फ 'आवरण पत्र' का काम करती हैं।

आठ साल से परीक्षा में फेल

संतोष शुक्ला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली में संगणक पद से पदोन्नति देकर लेखापाल/भण्डारी/सहायक लिपिक के पद पर बैठाया गया था। शर्त रखी गई थी कि दो वर्ष के भीतर उन्हें लेखा प्रशिक्षण परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, अन्यथा उन्हें पदावनत कर दिया जाएगा। मगर हैरानी की बात यह है कि पूरे 8 साल बीत जाने के बाद भी शुक्ला परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाए। न तो वे नियमों की कसौटी पर खरे उतरे और न ही विभाग ने नियमों का पालन करते हुए उन्हें पदावनत किया। यह सिर्फ एक व्यक्ति की विफलता नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम का भ्रष्ट और पक्षपाती चेहरा उजागर करता है। सवाल यह है कि आखिर कौन सी अदृश्य ताकतें हैं, जिन्होंने इतने वर्षों तक एक अयोग्य और विवादित अधिकारी को वित्तीय प्रभार पर बनाए रखा?

लोकायुक्त जांच के बावजूद वित्तीय कुर्सी से चिपके

लोकायुक्त जांच लंबित होने के बावजूद संतोष शुक्ला को न केवल पद से हटाया गया, बल्कि उन्हें लगातार कार्यालय के वित्तीय लेन-देन पर बैठाकर रखा गया। क्या यह सीधे-सीधे ऊपर तक हिस्सेदारी का मामला नहीं है? विभागीय सूत्रों का कहना है कि शुक्ला पर पहले भी वित्तीय अनियमितताओं और हेराफेरी के गंभीर आरोप लग चुके हैं। बावजूद इसके, उन्हें छत्रछाया देकर बचाया जाता रहा। अब जब उनकी सेवा अवधि में सिर्फ तीन महीने शेष हैं, आशंका जताई जा रही है कि रिटायरमेंट से पहले बड़े पैमाने पर लेखा-जोखा गड़बड़ाएगा। अक्सर देखा जाता है कि ऐसे अधिकारी सेवानिवृत्ति से पहले हिसाब-किताब साफ करने के नाम पर करोड़ों का खेल कर जाते हैं।

कचरे में स्वास्थ्य संचालनालय का आदेश

खुद स्वास्थ्य संचालनालय ने अपने आदेश में साफ लिखा है कि श्री शुक्ला से लेखा प्रभार तत्काल हटाकर किसी अन्य अधिकारी को सौंपा जाए, अन्यथा वित्तीय गड़बड़ी की प्रबल संभावना है। मगर विभागीय हकीकत यह है कि आदेश को कचरे की टोकरी में डाल दिया गया। जिम्मेदार अफसरों की मौन सहमति ने साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार की डोर कितनी मजबूत है।

पेंशन और स्वत्व पर संकट

शिकायतों और लोकायुक्त जांच लंबित रहने के कारण श्री शुक्ला की पेंशन, ग्रेच्युटी और लीव एन्कैशमेंट जैसे स्वत्व भी अटक सकते हैं। नियम साफ कहते हैं कि 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' और 'नो पेंडेंसी ऑफ इंक्वायरी' प्रमाण पत्र के बिना पेंशन का भुगतान संभव नहीं है। अगर विभाग ने नियमों की अनदेखी कर इन्हें लाभ दिया, तो यह सीधे-सीधे भ्रष्टाचार को वैध ठहराने जैसा होगा।

सवालों के घेरे में पूरा विभाग

यह मामला सिर्फ एक संतोष शुक्ला का नहीं है। यह पूरे स्वास्थ्य विभाग और उसके तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर क्यों लोकायुक्त जांच के बावजूद विवादित अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर बैठाया जाता है? क्यों नियमों को ताक पर रखकर बार-बार जनता के टैक्स के पैसों की लूट को वैधता दी जाती है?

भ्रष्टाचारियों की जीत, जनता की हार

दरअसल, यह कहानी सिर्फ एक विभागीय कर्मचारी की नहीं, बल्कि उस पूरे सड़े-गले सिस्टम की है, जहां नियम किताबों में बंद हैं और भ्रष्टाचार बेलगाम घूमता है। अगर सरकार और प्रशासन अब भी नहीं चेते, तो यह मान लेना चाहिए कि स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर जनता से लूट का यह खेल आगे भी बेधड़क चलता रहेगा।

मानव श्रृंखला के माध्यम से स्वच्छता रखने का दिया गया संदेश

उमरिया।

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिले में स्वच्छता पखवाडे का संचालन किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़े के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर नगरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। जिला मुख्यालय उमरिया के स्टेडियम ग्राउण्ड से सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह सहित अधिकारियो, कर्मचारियों, स्कूली बच्चों के साथ मानव श्रृंखला बनाकर आम जनों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम मे शासकीय सज्जन उत्कृष्ट विद्यालय, कन्या विद्यालय, खलेसर हाई स्कूल तथा पीएमश्री शासकीय बालक कालरी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया।

सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार के आव्हान पर उमरिया जिले के नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता ही सेवा के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता ही जीवन है। स्वच्छ वातावरण से स्वस्थ्य शरीर और स्वस्थ्य शरीर से स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास संभव है। स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, इसे बनाए रखें। कचरे का सही निपटान करने के लिए गीला कचरे को अलग तथा सूखे कचरे को अलग रखें।

कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह, जिला समन्वयक स्वच्छता मनीषा कांड्रा, उपयंत्री देव कुमार गुप्ता, निशांत मिश्रा सहित स्कूली बच्चें उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव की बैठक संपन्न

उमरिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में सांसद खेल महोत्सव 2025-26 के आयोजन संबंधी बैठक संपन्न हुई।

सीईओ जिला पंचातय अभय सिंह कहा कि समस्त प्राचार्य अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं का ऑनलाईन व ऑफलाईन पंजीयन रजिस्ट्रेशन शत प्रतिशत कर उसकी सूचना व सूची खेल और युवा कल्याण विभाग तथा अपने संकुल को उपलब्धक कराए। प्रत्येक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी रहेगी कि वे अपने अधीनस्थन संकुल प्राचार्यो के द्वारा किये जा रहे पंजीयन व रजिस्ट्रेशन की विधिवत मानिटेरिंग करेंगें।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव खेल खेलने तक सीमित नहीं रहेगा इसे एक महोत्सव के रूप में प्रत्येक गांव-गांव ब्लॉक स्तर पर, जिला स्तर पर फिट इंडिया स्वस्थ भारत का निर्माण छुपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हुये खेल से जोडक़र भाईचारा और समाजिक एकता स्थापित कर युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और अनुशासन की भावना जागृत कर खिलाडिय़ों को राज्य स्तर राष्ट्रीय स्तर व अंतराष्ट्रीय स्तर पर तैयार करना ही सांसद खेल महोत्सव का खेल उद्देश्य है।

सांसद खेल महोत्सव तभी सफल होगा जब जिले के प्रत्येक प्राचार्य तथा संकुल प्राचार्य अपने अधीनस्थ विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त गांव के युवाओं की पहचान करते हुये उनका भी पंजीयन कराने तत्पर होंगे। जितना अधिक हम पंजीयन करेंगें उतना ही सफल और वृहद आयोजन संभव हो सकेगा। आयोजन लगभग 20 खेलों में ब्लॉक स्तर जिला स्तर व संभाग स्तर पर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उन्हो ने बताया कि जिला स्तर, संभाग स्तर के आयोजन तथा ब्लॉक स्तर की आयोजन की तारीखों पर निर्णय लिया जायेगा।

ऑनलाईन व ऑफलाईन पंजीयन 12 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से 30 वर्ष के युवाओं का किया जा सकता है। पंजीयन की पहली श्रेणी संकुल स्तर की रहेगी। ब्लॉक स्तर के खेल आयोजन कराने हेतु बी.ई.ओ., बी.आर.सी, एस डी एम तथा एसडीओपी पुलिस व संबंधित ब्लॉक के जनप्रतिनिधियों की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी।

बैठक में सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी, स्कूल शिक्षा विभाग से आर.एस मरावी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पुन्नी बाई प्रजापति, के.के डेहरिया डी.पी.सी. कीड़ा अधिकारी शेख सलीम, सांसद प्रतिनिधि निलेश राज, कीड़ा अधिकारी आर के पांण्डेय, सेन्ट्रल अकादमी, हंसवाहिनी, कीड़ा परिसर भरौला प्रभारी संजय पांण्डेय, विकासखण्ड पाली महाविद्यालय प्राचार्य विकासखण्ड मानपुर प्राचार्य रानी सिंह तथा स्कूल शिक्षा विभाग के लगभग समस्त प्राचार्य, जनजातीय कार्य विभाग के समस्त प्राचार्य कीड़ा अधिकारी व पी.टी.आई तथा खेल विभाग से ग्रामीण युवा समन्वयक व प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन के प्रांतीय सनीति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज बदरा/चचाई।

अनूपपुर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन एटक के राज्य परिषद की बैठक परसाई भवन जबलपुर में यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष कामरेड गायत्री वाजपेई की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई यूनियन के प्रांतीय महामंत्री कामरेड विभा पांडे ने प्रदेश के सभी ज़िलों में संगठन की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश के सभी ज़िलों में संगठन के विस्तार की आवश्यकता को बताया नौ जुलाई को शानदार हड़ताल के लिए उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गुजरात उच्च न्यायालय के फ़ैसले के अनुसार मध्य प्रदेश में भी न्यायालय में जाने की बात कही गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का जब तक सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिलता है तब तक 24 हज़ार रूपये मानदेय प्राप्त करने के लिए हमें भी न्यायालय की शरण में जाना चाहिए बैठक में मध्य प्रदेश एटक के अध्यक्ष कामरेड हरिद्वार सिंह उपाध्यक्ष एवं जबलपुर उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता कामरेड अरविंद श्रीवास्तव एवं उप महासचिव कामरेड राम सरोज कुशवाहा मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से उपस्थित थे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन की राष्ट्रीय महासचिव एवं अधिवक्ता कामरेड माधूरी क्षीरसागर ऑन लाइन कार्यकर्ताओं को संबोधित करके कार्यकर्ताओं का हौसला अफ़ज़ाई किया प्रख्यात बामपंथी विचारक कामरेड डीएस बोस भी सहयोग मे उपस्थित थे। महासचिव कॉमरेड विभा पांडेय के रिपोर्ट पर सभी ज़िलों से आए हुए कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठक के विस्तार एवं न्यायालय के लिए सहयोग तथा अधिक से अधिक यूनियन की सदस्यता करने की बात कही सभी नेताओं के सार गर्भित उद्बोधन के साथ ही उत्साहजनक वातावरण में बैठक सम्पन्न हुई। अंत मे प्रांतीय अध्यक्ष कामरेड गायत्री बाजपेई के उद्बोधन के साथ ही बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई बैठक में विशेष रूप से सीधे की जिलाध्यक्ष रानी दिवेदी जिला सचिव कामरेड अनिता सिंह उमरिया की जिलाध्यक्ष कामरेड ममता तिवारी कामरेड हेमलता कामरेड बंदना सतना के जिला अध्यक्ष कामरेड बसंती द्विवेदी जिला सचिव कामरेड प्रीति गौतम मंडला के अध्यक्ष कामरेड कमला ठाकुर सचिव कामरेड हेमलता मोहरे कामरेड मंजू झारिया कामरेड कल्पना द्विवेदी कामरेड डाली सिंह कामरेड बंदना पाठक कामरेड अंजू शुक्ला कामरेड लक्ष्मी गोस्वामी एवं ढेर सारे कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेत का अवैध परिवहन करते वाहन जप्त

विभाग की उदासीनता से माफियाओं के हौसले बुलंद

हरिभूमि न्यूज कोतमा। क्षेत्र की जीवनदायिनी केवई नदी एवं आस पास के नालों से रेत उत्खनन एवं परिवहन का खेल माफियाओं के द्वारा खुलेआम किया जा रहा है। शुक्रवार को कोतमा पुलिस ने सूचना पाते हुए खोडरी नंबर 1 तिराहा के पास घाट से रेत लोड कर परिवहन करते ट्रैक्टर को जप्त करते हुए कार्यवाही की गई है। दिनदहाड़े किए जा रहे रेत उत्खनन एवं परिवहन पर हुई कार्यवाही से खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बिना नंबर नीले रंग के ट्रैक्टर वाहन से अवैध रेत परिवहन पर थाना प्रभारी द्वारा गठित पुलिस टीम के प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र पासी, सुरेन्द्र सिंह एवं अभय त्रिपाठी ने दबिश देकर मौके पर वाहन चालक राजकुमार जायसवाल 33 बर्ष एवं उसके भाई कृष्ण कुमार जायसवाल पिता रामसेवक जायसवाल निवासी चाका से परिवहन संबंधित दस्तावेज की मांग की गई जो नहीं पाया गया। वाहन को जप्त करते हुए दोनों आरोपी भाइयों के खिलाफ रेत चोरी एवं खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 303(2)317 (5) बीएनएस एवं खनिज की धारा 4/21में अपराध दर्ज किया गया। ट्रैक्टर को जप्त कर थाने लाया गया जिसमें तीन घन मीटर रेट कीमत 5 हजार एवं ट्रैक्टर ट्राली कीमती 5 लाख को जप्त किया गया। बताया जाता है कि कार्यवाही के दौरान कई सफेदपोशों द्वारा दवाब बनाने का भी प्रयास किया गया लेकिन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई कार्यवाही उपरांत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। 5 दिनों के अंदर रेत चोरी करते माफियाओं पर हुई 2 लगातार कार्यवाही से अन्य रेत माफियाओं मे खलबली मची हुई है।

इन घाटों पर रेत चोरों का आतंक

बताया जाता है कि क्षेत्र के पैरीचुआ घाट, सारंगढ़, जमुडी, पचखुरा, खोडरी घाट, इमली, घुम्मा, पोड़ी, कोठी, थानगांव, बेनीबहरा, जलसार, बैहाटोला, कटकोना के घाटों में माफियाओं द्वारा दिन-रात रेत चोरी का काला कारोबार किया जाता है। संबंधित विभाग की उदासीनता से माफियाओं के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं।

इनका कहना है

उच्च अधिकारियों के निर्देशन पर अवैध रेत उत्खनन परिवहन की सूचना पर कार्यवाही की गई है। खनिज चोरी पर अभियान सतत जारी रहेगा।

रत्नांबर शुक्लथाना प्रभारी कोतमा

पटवारी पड़ोसी को दे रहे खुलेआम धमकी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोतमा थाना अंतर्गत हमेशा ही अपनी गुंडागर्दी एवं जमीनी व कब्जा को लेकर विवादों में रहने वाले अशोक सोनी के द्वारा पटवारी होते हुए भी गुंडों जैसा काम करने का मामला सामने आया है। इस बार पटवारी अशोक सोनी के द्वारा अपने भांजे प्रकाश सोनी को साथ लेते हुए पड़ोसी संतोष त्रिपाठी के घर के सामने उसके निस्तार के लिए बने शौचालय को तोड़फोड़ करना एवं मना करने पर मारपीट व जान से खत्म करने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि पटवारी व उसके भांजे द्वारा किए गए खुलेआम गुंडागर्दी को लेकर वार्ड में सनसनी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस से भी आरोपियों के द्वारा अभद्रता व धमकाने का कृत्य किया गया। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने पटवारी एवं उसके भांजे को पकड़ कर ले गई। मामले में फरियादी संतोष त्रिपाठी 61 वर्ष पिता स्वर्गीय दरबारी लाल त्रिपाठी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पटवारी अशोक सोनी व उसके भांजा प्रकाश सोनी के खिलाफ जबरन निर्मित सुलभ को तोड़फोड़ कर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी की धाराओं में अपराध दर्ज किया गया। घटना के बारे में बताया जाता है कि फरियादी के घर के सामने पूर्व में नगर पालिका के द्वारा सुलभ शौचालय का निर्माण किया गया था। जिसको लेकर दोनों पड़ोसियों के बीच विवाद रहता है। इसी रंजिश पर शुक्रवार की रात 7 बजे के लगभग अशोक सोनी अपने भांजे प्रकाश सोनी के साथ मिलकर फ़ावड़ा और गैती से शौचालय के अंदर घुसकर तोड़फोड़ किया जाने लगा। बताया जाता है कि अशोक सोनी गुंडागर्दी एवं जमीन हथियाने को लेकर लगातार सुर्खियों में रहते हैं। जिसके खिलाफ अनेक मामले भी दर्ज हैं। पूर्व में भी आरोपी के द्वारा नगर के व्यापारियों एवं भाजपा नेता पर जानलेवा हमला जैसी वारदात को अंजाम दिया जा चुका है। पटवारी के खिलाफ ईओडब्ल्यू की भी कार्यवाही हो चुकी है। अपने पद की धौंस देकर लगातार परिजनों के साथ विवाद कर कानून व्यस्था बिगाड़ने का कृत्य किया जाता है।

इनका कहना है

फरियादी की शिकायत पर तोड़फोड़ एवं मारपीट संबंधी धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

रत्नांबर शुक्ल थाना प्रभारी कोतमा

खबर संक्षेप

हरिशंकर कोरी ने नेता प्रतिपक्ष को सौंपा पत्र - विधानसभा में उठाएं मुद्दा

ब्यौहारी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री हरिशंकर कोरी ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को अपना एक पत्र सोपा जिसमें उनसे आग्रह किया गया है कि इन सवालों को विधानसभा में उठाएं ब्यौहारी नगर परिषद में जो भी 1378 आवास दिए गए सब में 10 से 20000 घूस लेने के बाद दिए गए इसकी जांच कराई जाए खटखरिया तालाब का अभी तक सौंदर्यीकरण क्यों नहीं हो पाया जो भी अधिकारी जिम्मेदार उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए सिविल अस्पताल ब्यौहारी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए जिसमें एक महिला और एक पुरुष डॉक्टर जरूरी क्योंकि नए डॉक्टरों को ज्यादा अनुभव नहीं रहता है और थोड़ी सी भी गंभीर बीमारी हुई तो शहडोल भागना पड़ता है व्यवहारी के मुद्दों को विशेष रूप से सदन पटल में रखा जाए और शहडोल के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला से सवाल पूछने की मांग की है।

नप बकहो में भ्रष्टाचार, करोड़ों के घोटाले पर शिकायत भाजपा पार्षद ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

अमलाई। नगर परिषद बकहो में विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के पार्षद रेखा महेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय सहित उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विस्तृत जाँच की माँग की है।पार्षद के अनुसार नगर परिषद में योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागज़ों पर किया गया है, जबकि धरातल पर कार्य अधूरे या अस्तित्वहीन हैं। ज्ञापन में भ्रष्टाचार के कई गंभीर बिंदु उजागर किए गए हैं

पार्क निर्माण में अनियमितता

अमृत योजना के तहत वार्ड क्रमांक 05 में पार्क निर्माण वन विभाग की भूमि पर कराया गया। वन विभाग से अनुमति न होने के बावजूद अवैध निर्माण दिखाकर भारी रकम खर्च कर दी गई।

पौधारोपण का फर्जीवाड़ा

पौधारोपण कार्यों में शासन आदेशों की धज्जियाँ उड़ाई गईं। पौधे लगाने के नाम पर फर्जी बिल प्रस्तुत कर लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया, जबकि स्थल पर पौधे दिखाई नहीं दे रहे।

तालाब सौंदर्यीकरण में धांधली

अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 04 में तालाब सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव रखा गया लेकिन उसी प्रस्ताव पर वार्ड क्रमांक 4 में तालाब सौन्दर्यकरण का कार्य का ठेका मनमाने ढंग से दिए गए। अधिकांश कार्य अधूरे छोड़ दिए गए।

ग्राम पंचायत प्रस्तावों में हेरफेर

ग्राम पंचायत बकहो में प्रस्तावों में हेरफेर कर बाहर के लोगों को नौकरी दी गई। और वेतन-भत्ते निकाल लिए गए।पार्षद रेखा महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद के अधिकारी और ठेकेदार मिलीभगत कर सरकारी योजनाओं की राशि का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उच्च स्तरीय जाँच नहीं की गई, तो यह मुद्दा आम जनता के बीच और बड़ा आंदोलन का रूप ले सकता है।

सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा का निरीक्षण

कोतमा। अनूपपुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के. वर्मा द्वारा शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा का विजिट करते हुए अस्पताल परिसर का भ्रमण कर साफ-सफ़ाई की प्रशंसा की। टीबी विभाग के कार्य की समीक्षा करते हुए।पॉजीटिविटी दर बढ़ाने का निर्देश दिया। अस्पताल के सभी स्टाफ समय पर आए। जिससे मरीज को कोई परशानी न हो। दूर-दराज से आए मरीजो को समय पर समुचित इलाज मिल सके। "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत कोतमा अस्पताल में लगने वाले आगामी स्वास्थ्य शिविर का व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए कोतमा सीबीएमओ डॉ केएल दीवान के कार्यशैली पर प्रसन्नता जाहिर की।इस दौरान कोतमा बीपीएम अजय सोनी, टीबी लैब टेक्नीशियन मो.हनीफ़ खान, मंजू केरकेट्टा उपस्थित थे।

महिला मंडल की सक्रियता और महाप्रबंधक का रहा सहयोग

राजेंद्रा माइंस में धूमधाम से मना विश्वकर्मा पूजन

राजेंद्रा माइंस का विश्वकर्मा पूजन बना ऐतिहासिक

धनपुरी।

सोहागपुर क्षेत्र के अंतर्गत राजेंद्रा माइंस में बुधवार को भगवान विश्वकर्मा पूजन बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक fervour के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सोहागपुर क्षेत्र के मुखिया एवं महाप्रबंधक श्री एस.एस. प्रांजपे अपने संपूर्ण टीम के साथ जैसे ही राजेंद्र माइंस पहुंचे, पूरा राजेंद्र परिवार उत्साह और उमंग से भर उठा।पहले से ही उप क्षेत्रीय प्रबंधक बी हरीबाबू, प्रबंधक बी.वाला कृष्णा एवं महिला मंडल राजेंद्रा जीएम के स्वागत हेतु मौजूद थे। सभी ने मिलकर जीएम का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें पूजा स्थल तक लेकर आए।विश्वकर्मा भगवान की पूजा-अर्चनास्टेज पर पहुंचकर जीएम श्री प्रांजपे ने विधिवत भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया। पूजा उपरांत वे अपनी टीम के साथ भंडारे में सम्मिलित हुए। उन्होंने प्रसाद ग्रहण करते हुए भंडारे की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा—"आप सभी ने इस कार्यक्रम को जिस उत्साह और समर्पण से आयोजित किया है, मैं दिल से धन्यवाद देता हूं। इतने बड़े स्तर पर आयोजन मैंने पहली बार देखा है।"महिला मंडल ने रखी अपनी बातकार्यक्रम के दौरान महिला मंडल ने बड़ी विनम्रता से जीएम से कहा कि जीएम मैडम इस बार शामिल नहीं हो पाईं। इस पर श्री प्रांजपे मुस्कुराते हुए बोले—"आप सभी का प्रेम देखकर जीएम मैडम दीपावली पूजा में जरूर शामिल होंगी।"यह सुनते ही वहां मौजूद सभी लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और वातावरण में उल्लास का संचार हो गया।यादगार बना आयोजनपूरे कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, सौहार्द और पारिवारिक वातावरण की झलक दिखाई दी। समापन पर सभी ने जीएम को अभिवादन के साथ विदाई दी।राजेंद्रा माइंस का यह विश्वकर्मा पूजन कार्यक्रम सभी के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।इस अवसर पर राजेंद्र-खैरहा भूमिगत माइंस के उपक्षेत्रीय प्रबंधक बी. हरी बाबू और राजेंद्रा माइंस के खान प्रबंधक बी. बालाकृष्णा विशेष रूप से मौजूद रहे। पूजन में मुख्य अतिथि के तौर पर सोहागपुर एरिया महाप्रबंधक एस.एस. परांजपे और प्रभारी जीएम मनीष श्रीवास्तव सम्मिलित हुए।पूजा स्थल पर पहुंचने पर उपक्षेत्रीय प्रबंधक बी. हरी बाबू ने महाप्रबंधक श्री परांजपे का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया, वहीं प्रभारी जीएम मनीष श्रीवास्तव का स्वागत खान प्रबंधक बी. बालाकृष्णा ने पुष्पगुच्छ देकर किया। सम्मानित स्वागत से पूरा वातावरण उल्लास से भर गया।

शांति समिति की बैठक संपन्न

नवरात्रि व दशहरा पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाने पर हुआ मंथन

धनपुरी।

आगामी नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के मद्देनज़र नगर में शांति, सुव्यवस्था और सौहार्द्र बनाए रखने हेतु शनिवार 20 सितंबर की शाम 5 बजे धनपुरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार बुढ़ार ने की, जबकि थाना प्रभारी धनपुरी, नगर पालिका प्रतिनिधि रामविशाल तथा विद्युत मंडल के अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठजन, प्रतिष्ठित नागरिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।बैठक में आगामी त्यौहारों के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना से लेकर यातायात व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, साफ-सफाई और सुरक्षा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि नगर में निर्बाध बिजली आपूर्ति और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही नगर पालिका द्वारा पूजा स्थलों और मार्गों की सफाई एवं पानी के छिड़काव की जिम्मेदारी निभाई जाएगी।थाना प्रभारी ने कहा कि दुर्गा प्रतिमा स्थापना स्थलों और दशहरा मैदानों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष योजना बनाई जाएगी, ताकि शोभायात्राओं और रावण दहन के अवसर पर भीड़ के बीच अव्यवस्था न फैले।बैठक में नगर के गणमान्य नागरिक मैथिलीशरण गुप्त, रामसिंह, महेंद्र सिंह पवार, मुजफ्फर खान, मोहम्मद आज़ाद, अजय जायसवाल, स्कंद सोनी, लक्ष्मण पत्रकार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि नवरात्रि और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता के साथ मनाया जाएगा।

धनपुरी में दो दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव

कल निकलेगी भव्य शोभायात्रा

धनपुरी।

समाज सुधार और दानशीलता के आदर्श पुरुष महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती पर धनपुरी नगर में इस बार भव्य दो दिवसीय समारोह का आयोजन हो रहा है। 21 और 22 सितंबर को निर्धारित इस महोत्सव में अग्रवाल समाज के लोग बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएंगे। सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमरविवार 21 सितंबर को दोपहर 3 बजे से अनंत उत्सव पैलेस बारात घर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के लिए विशेष प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। इनमें लोगों को आकर्षित करेंगी। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू अग्रवाल ने सभी समाजजनों से समय का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की अपील की है। शोभायात्रा का भव्य आयोजनसोमवार 22 सितंबर को दोपहर 3 बजे से श्री राधा कृष्ण मंदिर से महाराजा अग्रसेन जी की शोभायात्रा निकलेगी। नगर के मुख्य मार्गों – आजाद चौक, इमामबाड़ा होते हुए यात्रा अनंत उत्सव पैलेस पहुंचेगी। शोभायात्रा में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और युवा बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जगह-जगह भव्य स्वागत की तैयारियां की गई हैं।शोभायात्रा स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना और आरती पूरे विधि-विधान से संपन्न होगी। मंत्रोच्चारण के बीच समाजजनों के लिए यह एक प्रेरणादायी अवसर होगा। आयोजन समिति का संदेश आयोजन समिति अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि "अग्रसेन जयंती समाज की एकता और संस्कृति का प्रतीक है। धनपुरी और आसपास के अग्रवाल समाज के सभी बंधु इस उत्सव में सपरिवार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।"

पोषण माह का आयोजन किया गया

ब्यौहारी

जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा के निर्देश के पालन में परियोजना अधिकारी रोशनी तिवारी के मार्गदर्शन में सुपरवाइजर सुनीता प्रजापति द्वारा परियोजना ब्यौहारी अंतर्गत सेक्टर भमरहा द्वितीय में पोषण माह का आयोजन किया गया। पोषण संबंधी जिम्मेदारियों में पुरुषों की सक्रीय भागीदारी, के लिए बाल पोषण एवं देखभाल पर पोषण चौपाल का आयोजन कर चौपाल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दगना कुप्रथा,एवं पॉक्सो एक्ट की जानकारी साझा किया गया व साथ ही फल,सब्जियों ,दालें, अनाज, दूध, एवं स्थानीय उपलब्ध खाद्य पदार्थो को अपने दैनिक आहार का हिस्सा बनाने, कुपोषण को दूर करने,स्वक्षता का पालन करने सामुदायिक शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम में मऊ ग्राम पंच उपस्थित रहे।

चचाई सोसाइटी में नगद खाद वितरण बंद, छोटे किसानों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को सौंपा ज्ञापन, बाणसागर में हुआ भव्य स्वागत

बाणसागर

शहडोल देवलौद तहसील ब्यौहारी की चचाई सहकारी सोसाइटी में नगद खरीदी पर खाद उपलब्ध न होने की समस्या को लेकर छोटे किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शनिवार को बाणसागर देवलौद पहुँचे ।मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता उमंग सिंघार को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।किसानों की समस्या पर ज्ञापनकिसानों ने ज्ञापन में कहा कि सोसाइटी चचाई नगद खाद विक्रय से इंकार कर रही है, जबकि कई छोटे किसान फर्जी ऋण प्रकरणों की पुरानी गड़बड़ियों के कारण ऋण लेने से बचते हैं। ऐसे किसान नगद खरीदी पर ही खाद लेना चाहते हैं, लेकिन उन्हें सुविधा नहीं मिल रही है।खुले बाजार में कालाबाजारीकिसानों ने आरोप लगाया कि खाद वितरण की अव्यवस्था का लाभ उठाकर निजी व्यापारी और दलाल खुले बाजार में कालाबाजारी कर रहे हैं। 45 किलो की एक बोरी, जिसकी सरकारी कीमत लगभग 265 रुपये है, उसे 500 से 1000 रुपये तक बेचा जा रहा है। दलाल सोसाइटी से कथित किसानों के नाम पर खाद उठाकर गोदामों में जमा कर लेते हैं और ऊँचे दाम पर बाजार में बेचते हैं।खेती पर संकट, माँग रखीसमय पर खाद नहीं मिलने से छोटे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने मांग की कि छोटे किसानों को नगद खरीदी पर कम से कम 5 बोरी तक खाद तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे कालाबाजारी से बच सकें और उनकी खेती सुचारू रूप से चल सके।उमंग सिंघार का आश्वासननेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे को विधानसभा व शासन स्तर पर प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी।स्वागत में उमड़ा उत्साहबाणसागर निरीक्षण के दौरान जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का जोरदार स्वागत किया। नवनिर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की मौजूदगी ने कार्यकर्ताओं का उत्साह दोगुना कर दिया। स्वागत समारोह में ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं से वातावरण गूंज उठा।

नगर परिषद बकहो की लापरवाही से जनता परेशान, वार्ड क्रमांक 4 के विद्यालय के पास गाजर घास और अव्यवस्था, सड़क निर्माण की मांग अधूरी

अमलाई।

नगर परिषद बकहो की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 4 के प्राथमिक विद्यालय के पास की स्थिति साफ बताती है कि यहां जिम्मेदारों ने सफाई और विकास कार्यों से मुंह मोड़ लिया है। चारों ओर गाजर घास का साम्राज्य फैल चुका है। अव्यवस्था का आलम यह है कि विद्यालय के पास से गुजरना तक मुश्किल हो गया है।स्थानीय रहवासियों ने काफी पहले नेशनल हाइवे 43 से मांगलिक भवन होते हुए दीपक कोल के घर तक लगभग 300 मीटर सीसी सड़क बनवाने की लिखित मांग की थी। मगर अब तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। सड़क न होने से आमजन परेशान है और बरसात के दिनों में यही रास्ता दलदल में बदल जाता है।छोटे बच्चों के लिए खतराप्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे रोजाना इसी रास्ते से विद्यालय आते-जाते हैं। रास्ते के दोनों ओर फैले गाजर घास और झाड़ियां बच्चों के लिए खतरा बन चुकी हैं। अभिभावकों का कहना है कि बड़े-बड़े घास और झाड़ियों में सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीव भी छिपे रहते हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडराता है।हाईवे पर भी फैली गाजर घासकेवल यही नहीं, बकहो से गुजरने वाली नेशनल हाइवे 43 और स्टेट हाइवे के दोनों ओर गाजर घास का साम्राज्य फैला हुआ है। यह न सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है बल्कि शहर की बदहाल तस्वीर भी पेश करता है। इसके बावजूद नगर परिषद की ओर से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।आखिर जिम्मेदारी किसकी?लोगों का कहना है कि सफाई और सड़क जैसी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी करना नगर परिषद की लापरवाही को उजागर करता है। सवाल यह है कि आखिर कब तक जनता और छोटे बच्चे इस उपेक्षा का शिकार होते रहेंगे और कब नगर परिषद अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

आकर्षक पंडाल सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी जोरों पर, कलाकारों और युवाओं की मेहनत से निखर रही दुर्गा महोत्सव की रौनक

अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में दुर्गोत्सव की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति गांधीनगर द्वारा दुर्गा पंडाल को आकर्षक रूप देने के लिए बाहर से आए कलाकारों और स्थानीय युवाओं की टीम सजावट में जुटी हुई है। पंडाल को विशेष थीम के साथ सजाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को नया और भव्य अनुभव मिल सके।दुर्गा पूजा के दौरान समिति की ओर से प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी डांडिया डांस प्रतियोगिता और दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों को देखने और हिस्सा लेने के लिए आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। खासकर डांडिया प्रतियोगिता युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है।वहीं नगर परिषद क्षेत्र के अमलाई बापू चौक में युवा जागृति मंच द्वारा भी दुर्गा पंडाल की भव्य सजावट की जा रही है। मंच के सदस्य लगातार मेहनत कर पंडाल को आकर्षक लुक देने में जुटे हैं। यहां भी दुर्गोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।दोनों ही स्थानों पर उत्सव की तैयारियों को लेकर क्षेत्र में उल्लास और उमंग का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालु और नागरिक बेसब्री से मां दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन और सांस्कृतिक आयोजनों का इंतजार कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

श्री कल्याण सेवा आश्रम में कल से शारदीय नवरात्र महोत्सव का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। नवरात्रि के पावन पर्व में परम पूज्य बाबा कल्याण दास जी के आशीर्वचन, संत सम्मेलन और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। परम पूज्य बाबा कल्याण दास जी महाराज के आशीर्वचन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और मार्गदर्शन मिलेगा। विभिन्न संतों और धार्मिक विद्वानों के प्रवचनों और चर्चा से श्रद्धालुओं को ज्ञान और आध्यात्मिकता का लाभ मिलेगा। आश्रम द्वारा आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालु अपने आप को धन्य महसूस करेंगे। श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक गतिविधियों में सराहनीय योगदान देता है। आश्रम के प्रमुख परम तपस्वी बाबा कल्याण दास जी महाराज 47 वर्षों से अधिक समय से सेवा और समाज सेवा के कार्यों में संलग्न हैं। श्री कल्याण सेवा आश्रम में शारदीय नवरात्र महोत्सव एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान, ऊर्जा और आनंद की प्राप्ति होगी। आश्रम की गतिविधियों और कार्यक्रमों में सहभागिता करके आप अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

एसईसीएल के क्षेत्रीय चिकित्सालय कोतमा कॉलरी में रक्तदान शिविर संपन्न

बदरा/जमुना। 20 सितंबर को एसईसीएल क्षेत्रीय चिकित्सालय में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ जमुना कोतमा क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक अभिराम त्रिपाठी एवं क्षेत्रीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेन्द्र टुडू के द्वारा द्वारा भगवान श्री गणेश जी के मूर्ति में फूल चढ़ा कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यकम का शुभारम्भ किया गया इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चिकित्सालय के वरि. डॉ. आर. पी. यादव, डॉ निपुन, गौतम कुमार मित्रा (मुख्य फार्मासिस्ट), मैट्रन श्रीमती जॉली जोसफ, श्रीमती मरीना बाबू एवं जिला चिकित्सालय अनूपपुर के ब्लड बैंक से आये डॉ. एवं सभी स्टाफ ने अपना भरपूर सहयोग दिया. यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आरम्भ किया गया, जिसमे क्षेत्रीय चिकित्सालय डॉ. निपुन डा. देबोरनी, डॉ. रौशनी एवं चिकित्सालय से दो फार्मासिस्ट जगत पाल साहू एवं संतोष भारती ने अपना रक्तदान दान कर अस्पताल का मान बढाया यह शिविर शाम 5.00 बजे तक चला जिसमे कुल 21 लोगो ने अपना रक्त दान किया, जिला चिकित्सालय अनूपपुर एवं एस ई सी एल क्षेत्रीय चिकित्सालय कोतमा कालरी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा देवेन्द्र टुडू के द्वारा जिन्होंने इस शिविर में जिन्होंने भी रक्त दान किया उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया।

स्कॉर्पियो के नाबालिग चालक को भेजा गया संप्रेक्षण गृह रीवा

हरिभूमि न्यूज राजनगर। थाना रामनगर अंतर्गत दिनांक 11 अगस्त 2025 को प्रातः 09:30 से 10:00 बजे के बीच एनएच-43 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज़ रफ़्तार स्कॉर्पियो (एमपी 18 जेडजी 0613), जिसमें 09 सवार थे, ने सामने से आ रही बाइक (एमपी 65 एमए 3418) को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार अमृत चौधरी (30 वर्ष), निवासी उड़तान थाना कोतमा, की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई और दीवार से जा टकराई, जिससे वाहन में सवार कई लोग भी घायल हुए थे।

दस दिनों तक पूरे जिले मे रहेगा भक्तिमय वातावरण, अंतिम चरण मे तैयारी

हाथी पर सवार होकर आयेंगी मां दुर्गा

पहले दिन बन रहे शुभ संयोग, आज होगा सूर्य ग्रहण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। इस वर्ष शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ 22 सितंबर यानि कल से होने जा रहा है। नवरात्रि का यह महापर्व मां दुर्गा की उपासना और शक्ति साधना का प्रतीक माना जाता है। इस बार नवरात्रि की शुरुआत विशेष शुभ योग में हो रही है, जिससे इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है। खास बात यह है कि इस वर्ष मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर विराजमान होंगी, जिसे समृद्धि और खुशहाली का द्योतक माना जाता है। मां दुर्गा का हाथी पर आगमन अत्यंत शुभ माना जाता है। शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। शास्त्रों में हाथी की सवारी को अत्यंत शुभ माना गया है। इसका संकेत है कि इस वर्ष भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि, धन-धान्य और खुशहाली की वृद्धि होगी। साथ ही परिवार में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा।

दस दिनों की है नवरात्र

आदिशक्ति के दिन यानी नवरात्रि का प्रारंभ हर भक्त को बेसब्री से होता है। इस साल शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ 22 सितंबर से हो रहा है और ये 2 अक्टूबर को समाप्त होगी, इसका अर्थ ये हुआ कि इस बार की नवरात्रि पूरे 10 दिनों की है, इस

दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। ये आश्विन मास की शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तिथि तक चलती है। इन नौ दिनों में जो भी मां के 9 रूपों की पूजा सच्चे मन से करता है, उसकी सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और उसके सारे कष्टों का अंत भी होता है। कुछ लोग नवरात्रि में पूरे 9 दिनों का व्रत करते हैं तो कुछ लोग पहला और अंतिम व्रत रखते हैं, जिसे कि चढ़ती और उतरती कहा जाता है। कुछ लोग इन नौ दिनों में कलश स्थापना भी करते हैं।

जोर शोर से चल रही तैयारी

पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि शारदीय नवरात्रि का पहला दिन 22 सितंबर से शुरू हो रहा है, तो कलश स्थापना इसी दिन की जाएगी। कलश स्थापना के लिए 22 सितंबर को सुबह 6.09 बजे से सुबह 8.06 बजे तक समय शुभ है इस दौरान घट स्थापना शुभ फलदायी होगा। अगर इस दौरान आप घट स्थापना नहीं कर पाते हैं तो अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना कीजिए, इस दिन अभिजीत मुहूर्त 11.49 सुबह से 12.38 दोपहर तक है। नवरात्रि पर्व को एक दिन बचे हैं जिसको लेकर तैयारी जिला मुख्यालय सहित जिले भर मे जोर-शोर से की जा रही है। दुर्गा पंडालों मे झांकी सजाने का काम समितियां के द्वारा दिन-रात मेहनत करते हुए किया जा रहा है, वहीं मंदिरों में भी रंग रोगन का कार्य तेजी से किया जा रहा है मंदिरों में आकर्षक रोशनी करवाई जा रही है। कोतमा नगर के बस स्टैंड में मां शैलपुत्री भक्त मंडल कमेटी के द्वारा माता की जंगलों में गुफा बनाकर रूप दिया जा रहा है तो कहीं महल बनाया जा रहा है नगर में जगह-जगह आकर्षक झांकियां सजाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मूर्तिकारों के द्वारा भी मां दुर्गा की प्रतिमा को आकार देने में जुटे हुए हैं।

पहले दिन बन रहे शुभ संयोग

नवरात्रि की शुरुआत इस बार बेहद शुभ मानी जा रही है क्योंकि इस दिन शुक्ल और ब्रह्म योग जैसे सकारात्मक संयोग बन रहे हैं। इन योगों में पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है.

आज होगा सूर्य ग्रहण

इस साल वर्ष 2025 का दूसरा और अंतिम सूर्यग्रहण 21 सितंबर रविवार को लग रहा है। सूर्यग्रहण 2025 के बाद 22 सितंबर, सोमवार की सुबह सूर्योदय ग्रहण के साथ ही होगा। ऐसे में आखिरी सूर्य ग्रहण 2025 पर गांव से लेकर शहर तक हर जगह लोगों में खासी उत्सुकता बनी हुई है। यह सूर्य ग्रहण भारत में सीधे नहीं देखा जा सकेगा। हमारे देश में ग्रहण का सूतक काल भी प्रभावी नहीं रहेगा। हालांकि, 21 सितंबर को लग रहे साल के दूसरे सूर्य ग्रहण 2025 को लेकर ज्योतिषविदों ने कई आशंकाएं जाहिर की हैं। यह कुछ राशियों के लिए शुभ तो कुछ के लिए अशुभ साबित हो सकता है। साल 2025 का दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर, रविवार को रात 10 बजकर 39 मिनट पर लगेगा।

मालवा अंचल के श्रद्धालुओं ने कुल देवी-देवता एवं अस्त्र शस्त्रों का किया पूजन

अमरकंटक में नवरात्रि पूर्व भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पावन नगरी अमरकंटक के रामघाट तट पर मालवा अंचल से आए सैकड़ों भक्त श्रद्धालुजन अपने आराध्य कुल देवताओं और स्थान देवताओं की पूजा अर्चना के लिए एकत्रित हुए। उज्जैन, देवास, धार, शाजापुर और रतलाम जिलों से आए महिलादृपुरुष श्रद्धालुओं ने नर्मदा नदी में डुबकी लगाकर पारंपरिक ढंग से अपने कुल देवता एवं उनके अस्त्रदृशस्त्रों का पूजनदृअर्चन किया।

भक्ति में लीन रहे श्रद्धालु

पूजा के दौरान वाद्ययंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाएं और पुरुष श्रद्धालु झूमतेदृनाचते हुए आरती गा रहे थे। कई श्रद्धालु भावविभोर होकर उद्घोष करते रहे। इस अद्भुत आस्था के क्षणों ने पूरे घाट क्षेत्र को दिव्य माहौल से सराबोर कर दिया। मालवा अंचल के श्रद्धालु हर वर्ष नवरात्रि से पूर्व अपने आराध्य कुल देवताओं की पूजा हेतु अमरकंटक आते हैं। पारंपरिक रूप से यह आयोजन दोदृतीन दिन पूर्व प्रारंभ होकर अमावस्या तिथि तक चलता है। भक्तजन नदी में स्नान ध्यान कर अपने कुल देवताओं एवं स्थान देवताओं के अस्त्रदृशस्त्रों का पूजन करते हैं और परिवार की खुशहाली, कृषि एवं कारोबार में उन्नति की कामना करते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि कुल देवीदृदेवताओं की पूजा से आत्मसंतोष मिलता है तथा दुखदृकष्ट हरने की शक्ति प्राप्त होती है। उनका मानना है कि देवता उनके परिवार को संकटों और बाधाओं से मुक्त कर सुखदृसमृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। नवरात्रि पूर्व अमरकंटक में आयोजित यह परंपरा न केवल मालवा अंचल की सांस्कृतिक धार्मिक धरोहर को जीवित रखती है, बल्कि माँ नर्मदा की पवित्र धारा में आस्था की डुबकी लगाकर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और जीवन में नवचेतना भी प्रदान करती है।

झुग्गी झोपड़ी तोड़े जाने के विरोध में गोंगपा ने दिया धरना

धरना प्रदर्शन कर सौंपा पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

त्वरित कदम न उठाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 11 बैंक टोला में प्रशासन द्वारा बिना पूर्व सूचना दिए 23 गरीब परिवारों की झुग्गी झोपड़ियाँ ढहाए जाने के विरोध में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने जिला इकाई अनूपपुर के तत्वावधान में रामघाट साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। विरोध सभा में बड़ी संख्या में प्रभावित परिवार, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार और कांग्रेस दोनों को कटघरे में खड़ा करते हुए प्रशासनिक कार्यवाही को अमानवीय और अन्यायपूर्ण बताया।

गरीबों के आशियाने उजाड़ना अन्याय

सभा को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि "भारी बरसात में गरीब आदिवासियों और पिछड़ों की झोपड़ियाँ उजाड़ना निर्ममता है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी उनके साथ खड़ी है। अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, प्रशासन को इसका खामियाजा भुगतना होगा। नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश की वर्तमान सरकार "जनता का विश्वास खो चुकी है और

वोट चोरी से सत्ता में बनी हुई है"।

नगर परिषद कार्यालय का घेराव

करीब दो घंटे तक चली सभा के बाद गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और वहां प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित पुष्पराजगढ़ तहसीलदार संजय कुमार जाट को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की ओर से पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। इसमें प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल राहत और पुनर्वास की मांग की गई।

आंदोलन उग्र करने की चेतावनी

धरना प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम, जिला अध्यक्ष जय सिंह धुर्वे और रामसेवक चंदेल सहित राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिला पुलिस द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जन मसराम एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) राजेंद्रग्राम नयन तिवारी के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का यह प्रदर्शन गरीब एवं प्रभावित परिवारों के लिए न्याय की मांग का स्वर रहा, जिसने प्रशासनिक कार्यवाही को कठघरे में खड़ा किया और सरकार को चेतावनी दी कि यदि त्वरित कदम न उठाए गए तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

बेहतर पर्यावरण एवं स्वच्छता के लिए सभी को मिलकर करना चाहिए प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

शासन निर्देशानुसार 2 अक्टूबर तक आयोजित होनें वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत नगर निगम कटनी द्वारा रोजाना विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर आम जन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का भाव उत्पन्न करते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास की भावना को सशक्त करने का प्रयास किये जा रहे है।

नगर पालिक निगम द्वारा पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित गतिविधियों के तहत नगर के एक दर्जन से अधिक सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई कराई जाकर शौचालयों की दीवारों, फर्श, नल, और अन्य उपकरणों की विशेष साफ-सफाई की गई। इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को साफ-सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। अभियान के तहत शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय खिरहनी कटनी में भी स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाकर छात्रों द्वारा श्रमदान किया जाकर शाला परिसर की सफाई की गई तथा शवच्छता की शपथ ली।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत आयोजित इस सफाई अभियान में नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय स्वयंसेवी समूहों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस सामूहिक प्रयास से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का साझा कर्तव्य है।

नगर निगम की नियुक्त एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत वार्डों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छ सार्वजनिक स्थलों के अंतर्गत वार्ड 01 बाल गंगाधर तिलक वार्ड स्थित इंदिरा नगर, वार्ड क्र.02, बिरसा मुंडा वार्ड स्थित बंगला टोला, वार्ड क्र. 3 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड पहरुआ बस्ती एवं नगर के समस्त सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की विशेष सफाई और रखरखाव का जायजा लिया गया।

जनता के प्रति समर्पित भाव से कार्य शासकीय सेवकों का दायित्व-कलेक्टर

जिला पंचायत सीईओ के स्थानांतरण पर आयोजित किया गया विदाई समारोह सजग व कर्तव्य भाव से कार्य करना जिला पंचायत सीईओ से सीखें-पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि शासकीय कार्य व्यवस्था में स्थानांतरण एक प्रक्रिया है, जिसका पालन सभी शासकीय सेवकों को करना पड़ता है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बेहतर कार्य संपादन किया है। उन्होंने जिम्मेदारियों का पूर्ण सजगता, कर्तव्य निष्ठा और सहयोग भावना से जो कार्य किया है, वह प्रशंसनीय है। मुझे विश्वास है कि जिन भी अधिकारी के साथ वह कार्य करेंगे, वहां पर उन्हें एक अतिरिक्त सहयोग प्राप्त होगा। उक्ताशय के विचार कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत के स्थानांतरित सीईओ श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा कि स्थानांतरित जिला पंचायत सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा को जो भी कार्य दायित्व मिले, उसका तत्काल फॉलोअप उन्होंने किया, उनकी कार्य दक्षता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उनके कार्य करने की दक्षता उन्हें शासकीय सेवा में ऊंचाइयां देगी। उन्होंने कहा कि नई पदस्थापना प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने से अब उन्हें कार्य का वृहद मौका मिलेगा। जिससे वह कुछ नया भी अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के उत्तरदायित्व के बेहतर निर्वहन से प्रदेश स्तर की रैंकिंग में हमें स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए श्री शर्मा ने बेहतर और प्रोएक्टिवली कार्य किया। उन्होंने इस कार्य व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जनता के प्रति समर्पित भाव से कार्य करना सभी शासकीय सेवकों का दायित्व है। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ के द्वारा आधार, ई-केवाईसी, ई-ऑफिस, ई-अटेंडेंस तथा अन्य योजना व कार्यों के क्रियान्वयन में अच्छे प्रदर्शन की सराहना भी की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के स्थानांतरित सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा को एक सजग व अच्छे अधिकारी के रूप में कर्तव्य भाव से कार्य करने वाला अधिकारी बताया। उन्होंने कहा कि बालाघाट में पदस्थापना के दौरान भी उन्होंने श्री शर्मा के साथ कार्य किया है। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम को उनके अच्छे कार्यों से सीख लेने तथा कार्यों की दक्षता को बढ़ाने में उसका उपयोग करने की अपेक्षा व्यक्त की। स्थानांतरित जिला पंचायत सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अनूपपुर जिले में बहुत से नए अनुभव हुए तथा कार्यों को सीखने का मौका भी मिला। उन्होंने कहा कि कार्यों को समझ कर करने से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर जिले में कार्यों की अपार संभावना है, जरूरत है आमजन के बेहतरीन के लिए ईमानदारी से कार्य और प्रयास किए जाएं। उन्होंने अपने कार्य के दौरान जिला, जनपद व पंचायतो के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनका आभार ज्ञापन भी किया। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवकों की समस्याओं का निराकरण करना तथा कलेक्टर सर के नेतृत्व में अनेक नवाचारों तथा शासकीय कार्यों को करने से नया अनुभव भी प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आम जनता की बेहतरीन के लिए सभी शासकीय सेवकों पर बड़ा उत्तरदायित्व है, जिसका निर्वहन उन्हें तत्परता, कर्तव्य निष्ठा व सजगता से करना चाहिए। इस अवसर पर स्थानांतरित जिला पंचायत के सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा का माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ, शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।